श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री विवेक गुप्ता (पश्चिमी बंगाल): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI AHAMED HASSAN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. P. TRIPATHI (Maharashtra): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Narendra Budania. ...*(Interruptions)*....

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, what about my Zero Hour mention? ...*(Interruptions)*...

Misreporting in social media regarding para-military forces

श्री नरेंद्र बुढानिया (राजस्थान): उपसभापति जी, मैं एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा सदन के सामने रखना चाहता हूं। 23 मार्च, 2017 को पाकिस्तान में, सोशल मीडिया के अंदर और विदेशों में अन्य स्थानों पर एक ऐसी फोटो छापी गई जिसमें एक सैनिक को मृत बताया गया है। वह मृत सैनिक कौन है? वह मृत सैनिक वही है, जिसने इस देश में खाने को लेकर मामला उठाया था। इस मामले को इस प्रकार से प्रचारित किया गया है कि भारत सरकार के द्वारा भारतीय फौजों और अर्धसैनिक बलों को इस प्रकार का खाना दिया है और इस प्रकार से दुर्व्यवहार किया जाता है। ऐसी खबरें बराबर मीडिया में प्रचारित की जा रही हैं।

उपसभापति महोदय, यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है कि हमारे देश को इस प्रकार से बदनाम किया जाए। महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे सैनिक और अर्धसैनिक बलों में भर्ती जवान हमारे देश की सीमाओं के ऊपर हर परिस्थिति में दुश्मन की गोली खाने के लिए अपना सीना ताने रहते हैं। यदि उनके बारे में इस प्रकार की बातें सामने आती हैं, तो बड़ी तकलीफ होती है।

महोदय, मेरा किसी के ऊपर कोई इल्जाम लगाने का इरादा नहीं है, लेकिन यह विषय इस प्रकार का है कि इस सदन के हम जितने भी सदस्य यहां मौजूद हैं, उनमें से किसी न किसी का भाई या कोई रिश्तेदार सैनिक या अर्धसैनिक बलों में रहकर देश की सेवा कर रहा है।

महोदय, आज उनके बारे में यदि ऐसी बातें फैलती हैं कि उन्हें खाना अच्छा नहीं दिया जाता या उन्हें पहनने के लिए अच्छे कपड़े नहीं दिए जाते, उनका पहनावा अच्छा नहीं है या उनके साथ अच्छा treatment नहीं किया जाता है, तो यह ठीक नहीं है। जब इस प्रकार की बातें सामने आती हैं, तो देश के नागरिकों में असंतोष पैदा होता है।

महोदय, मैं राजस्थान से चुनकर आया हूं। मैं बताना चाहता हूं कि राजस्थान के प्रत्येक परिवार से एक जवान भारत की सेनाओं में भर्ती होकर हिन्दुस्तान की सीमाओं पर देश की रक्षा में तैनात है।

महोदय, पिछले सप्ताह मुझ से एक deputation मिलने आया, जिसमें सैनिकों के मां-बाप, भाई एवं अन्य रिश्तेदार थे। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चे फौज और अर्धसैनिक बलों में सीमा पर तैनात हैं, लेकिन उनके खाने आदि की जो शिकायतें आ रही हैं, यह बहुत दुभार्ग्यपूर्ण है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि ऐसी शिकायतों के कारण हमारे देश के नौजवान पर effect पड़ा है और अब वे फौज में जाने से कतराने लगे हैं। उनमें असंतोष पैदा हो रहा है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. All those who associate their names may be added. ...*(Interruptions)*...

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

SHRI SHANTARAM NAIK (Goa): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

PROF. M. V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

SHRI B. K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Narendra Budania.

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): माननीय उपसभापति जी, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको उससे सम्बद्ध करती हूं।

श्री पी. एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजाराम (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री मोतीलाल वोरा (छत्तीसगढ़): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राज बब्बर (उत्तराखंड): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुरेंद्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा): महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से मैं भी अपने आपको सम्बद्ध करती हूं।

कुछ माननीय सदस्य: महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से हम भी अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Naresh Gujral. ...(*Interruptions*)...

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, please, look at the time. ...(*Interruptions*)... Sir, look at the time; it should be changed. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Tapan Kumar, don't think that by intimidation, you can get it. I go by the order. Sit down. ...(*Interruptions*)... I go by the order. ...(*Interruptions*)... You cannot browbeat me and get it. You are doing it. ...(*Interruptions*)... I know what to do.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): My position was much ahead. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes; but when I called your name, you refused it. ...(*Interruptions*)... That is not my fault. Sit down. ...(*Interruptions*)... I called you, but you refused to speak. It is not my fault. ...(*Interruptions*)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: How was it possible? ...(*Interruptions*)... How could I speak? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I know about the position. Sit down. ...(*Interruptions*)... You cannot browbeat me and get it. ...(*Interruptions*)... Shri Naresh Gujral.

Statement issued by the Ministry of External Affairs condemning the resolution passed by the Legislature of Ontario, Canada

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, 31st November, 1984, was, perhaps, the blackest day in the history of Independent India. There was a * massacre of innocent Sikhs - an orgy of killings that went on for three horrible days and nights. Sir, the Government and the police refused to intervene and the minority community was targeted only because of their identity - their beards, their turbans and their names. ...(*Interruptions*)... Sir, a brave community that has made such huge sacrifices for this country...(*Interruptions*)... Their courage, valour and sacrifices for the nation are legendary. ...(*Interruptions*)...

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I am on a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let it be over. ...(*Interruptions*)...

SHRI NARESH GUJRAL: Sir, now when we should be applauding the Ontario Assembly in Canada for terming this horrible incident as a genocide which it was, it is very strange that our Government's spokesperson has called the resolution 'misguided'. ...(*Interruptions*)...

---

* Expunged as ordered by the Chair.